

	शुद्धोधन कपिलवस्तु के शाक्य गण के प्रधान थे।
126. महात्मा बुद्ध ने अपना प्रथम 'धर्मचक्रप्रवर्तन' किस स्थान पर दिया था? (a) लुम्बिनी (b) सारनाथ (c) पाटलिपुत्र (d) वैशाली	उत्तर-(b) व्याख्या-बोधगया में ज्ञान प्राप्ति के बाद गौतम बुद्ध सारनाथ पहुँचे, सारनाथ को ऋषिपत्तनम व मृगदाव भी कहा गया है यहाँ उन्होंने अपना प्रथम उपदेश पाँच ब्राह्मणों को दिया, जिसे बौद्ध ग्रन्थों में 'धर्मचक्रप्रवर्तन' कहा गया है। इसका अर्थ होता है 'धर्म के रुके पहिए को चला देना'।
127. मगध की प्रारम्भिक राजधानी कौन-सी थी ? (a) पाटलिपुत्र (c) राजगृह (गिरिव्रज) (b) वैशाली (d) चम्पा	उत्तर-(c) व्याख्या- राजगृह, मगध की प्रारम्भिक राजधानी थी। राजगीर नगर की स्थापना बिम्बिसार ने की थी। पाटलिपुत्र नगर की स्थापना उदयिन द्वारा की गई व उसने ही पाटलिपुत्र को राजगृह के स्थान पर अपनी राजधानी बनाया। शिशुनाग वंश के संस्थापक शिशुनाग ने वैशाली को अपनी राजधानी

	बनाया। चम्पा, अंग देश की राजधानी थी।
128. अजातशत्रु के वंश का नाम क्या था? (a) मौर्य (b) हर्यक (c) नन्द (d) गुप्त	उत्तर-(b) व्याख्या-अजातशत्रु, हर्यक वंश का शासक था। हर्यक वंश का संस्थापक बिम्बिसार था, अजातशत्रु इसका पुत्र था। अजातशत्रु ने अपने पिता की हत्या कर हासिल की। वह प्रबल साम्राज्यवादी था। उसने काशी, वैशाली व वज्जि संघ को अपने राज्य में मिलाकर उसकी सीमाओं को विस्तृत किया।
129. महावीर स्वामी का जन्म कहाँ हुआ था ? (a) कुण्डग्राम (b) पाटलिपुत्र (b) (c) मगध (d) वैशाली	उत्तर- (a) व्याख्या- महावीर स्वामी का जन्म वैशाली के निकट कुण्डग्राम में हुआ था। इनके पिता सिद्धार्थ, जातृक क्षत्रियों के प्रधान थे व इनकी माता का नाम त्रिशला/विदेहदत्ता था। इनकी पत्नी का नाम यशोदा था, जो कुण्डिन्य गोत्र की कन्या थी। इनकी पुत्री का नाम अणोज्या/प्रियदर्शना था, जिसका विवाह जमालि से

	हुआ। बाल्यावस्था में इनका नाम वर्द्धमान था।
130. 'थियोसोफिकल सोसायटी' की स्थापना किसने की? (a) मैडम एच पी ब्लावेट्स्की (b) राजा राममोहन राय (c) महात्मा गांधी (d) स्वामी विवेकानन्द	उत्तर- (a) व्याख्या थियोसोफिकल सोसायटी की स्थापना 1875 ई. में मैडम एच पी ब्लावेट्स्की व कर्नल आल्काट द्वारा न्यूयॉर्क में की गई। इसका उद्देश्य प्राच्य ग्रन्थों का तुलनात्मक अध्ययन करना था। 1882 ई. में सोसायटी ने अड्यार (मद्रास) में अन्तर्राष्ट्रीय कार्यालय खोला। 1888 ई. में एनी बेसेन्ट इसकी सदस्या बनी व 1893 ई. में भारत आईं।
131. गाँधी-इरविन समझौता हुआ था (a) वर्ष 1930 में (b) वर्ष 1931 में (c) वर्ष 1932 में (d) वर्ष 1933 में	उत्तर-(b) गाँधी-इरविन समझौता 5 मार्च, 1931 में हुआ। समझौते के अनुसार, गाँधीजी के नेतृत्व में कांग्रेस सविनय अवज्ञा आन्दोलन समाप्त करने हेतु तैयार हुई, सभी राजनीतिक बन्दी जिन पर हिंसा का आरोप नहीं था रिहा किए

	<p>जाएँगे, विदेशी कपड़ों व शराब की दुकानों पर शान्तिपूर्ण धरने व समुद्र तटीय प्रदेशों में बिना नमक कर दिए, नमक बनाने की अनुमति दी गई, साथ ही कांग्रेस दूसरे गोलमेज सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए राजी हो गई।</p>
<p>132. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रथम अधिवेशन में कितने प्रतिनिधियों ने भाग लिया?</p> <p>(a) 52 (b) 62 (c) 72 (d) 82</p>	<p>उत्तर-(c) व्याख्या- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रथम अधिवेशन 1885 ई. में बम्बई में हुआ। (गोकुलदास तेजपाल संस्कृत विद्यालय) इस सम्मेलन में कुल 72 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया, जिसमें अधिकतर वकील व पत्रकार थे, साथ ही बम्बई से व्यापारी वर्ग का भी प्रतिनिधित्व था।</p>
<p>133. नेशनल काउन्सिल ऑफ एजुकेशन की स्थापना कब हुई?</p> <p>(a) 15 अगस्त, 1903 (b) 15 अगस्त, 1904 (c) 15 अगस्त, 1905 (d) 15 अगस्त, 1906</p>	<p>उत्तर- (d) व्याख्या- नेशनल काउन्सिल ऑफ एजुकेशन की स्थापना 15 अगस्त, 1906 में हुई।</p>

<p>134. करो या मरो का सम्बन्ध किस आन्दोलन से है ?</p> <p>(a) डण्डी (b) असहयोग (c) खिलाफत (d) भारत छोड़ो</p>	<p>उत्तर- (d) व्याख्या- अगस्त, 1942 को बम्बई के ग्वालिया टैंक मैदान में कांग्रेस की वार्षिक बैठक में वर्धा प्रस्ताव (भारत छोड़ो) की पुष्टि की गई। इसे अगस्त क्रान्ति के नाम से भी जाना जाता है। इस सम्मेलन में गाँधीजी ने 'करो या मरो' का नारा दिया।</p>
<p>135. स्वतन्त्र भारत के पहले भारतीय गवर्नर-जनरल थे</p> <p>(a) सी राजगोपालाचारी (b) सुरेन्द्र नाथ (c) राजेन्द्र प्रसाद (d) बी आर अम्बेडकर</p>	<p>उत्तर- (a) सी राजगोपालाचारी के व अन्तिम गवर्नर-जनरल थे।</p>
<p>136. 'अभिनव भारत' से कौन सम्बन्धित है?</p> <p>(a) वी डी सावरकर (b) सी आर दास (c) बी जी तिलक (d) एस जी बोस</p>	<p>उत्तर- (a) 'अभिनव भारत' भारत के प्रारम्भिक क्रान्तिकारी संगठनों में से एक था, जिसकी स्थापना वर्ष 1904 में वी डी सावरकर द्वारा की गई थी। 1899 ई. में स्थापित 'मित्र मेला' नामक संस्था ही अभिनव भारत समाज का आधार बनी। इस संस्था ने पश्चिमी भारत में व्यापक</p>

	रूप से क्रान्तिकारी सशस्त्र क्रियाकलापों का प्रसार किया।
<p>137. असहयोग आन्दोलन शुरू किया गया</p> <p>(a) वर्ष 1918 में</p> <p>(b) वर्ष 1920 में</p> <p>(c) वर्ष 1921 में</p> <p>(d) वर्ष 1922 में</p>	<p>उत्तर-(b) व्याख्या- असहयोग आन्दोलन सम्बन्धी प्रस्ताव कलकत्ता के विशेष अधिवेशन (1920) में पारित हुआ, जिसकी पुष्टि, 1920 के नागपुर वार्षिक अधिवेशन में की गई। गाँधीजी ने 1 अगस्त, 1920 को असहयोग आन्दोलन प्रारम्भ किया। इसके अन्तर्गत स्वराज का लक्ष्य घोषित किया गया और रचनात्मक कार्यों की सूची तैयार की गई। इसमें बहिष्कार पर व्यापक बल दिया।</p>
<p>138. मॉण्टेग्यू-चेम्सफोर्ड की रिपोर्ट</p> <p>(a) भारतीय स्वतन्त्रता अधिनियम, 1947 का आधार बनी</p> <p>(b) भारतीय परिषद् अधिनियम, 1909 का आधार बनी</p> <p>(c) भारत सरकार 1919 का आधार बनी</p> <p>(d) भारत सरकार अधिनियम, 1935 का आधार बनी</p>	<p>उत्तर-(c) व्याख्या- मॉण्टेग्यू-चेम्सफोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर वर्ष 1919 के भारत सरकार अधिनियम की घोषणा की गई। इस अधिनियम में पहली बार 'उत्तरदायी शासन' शब्द का प्रयोग किया गया तथा प्रान्तों में द्वैध शासन की स्थापना की गई। केन्द्रीय परिषद् में भारतीयों को</p>

	<p>अधिक प्रभावशाली भूमिका दी गई। साथ ही साथ विषयों को केन्द्रीय व प्रान्तीय विषयों में बाँटा गया।</p>
<p>139. शेर-ए-पंजाब के नाम से इनमें से कौन मशहूर थे?</p> <p>(a) राजगुरु</p> <p>(b) भगत सिंह</p> <p>(c) लाला लाजपत राय</p> <p>(d) उधम सिंह</p>	<p>उत्तर-(c) • व्याख्या-शेर-ए-पंजाब नाम से प्रसिद्ध स्वतन्त्रता सेनानी लाला लाजपत राय थे।</p>
<p>140. निम्न में से कौन-सा गोलमेज सम्मेलन वर्ष 1932 में हुआ था ?</p> <p>(a) पहला</p> <p>(b) दूसरा</p> <p>(c) तीसरा</p> <p>(d) चौथा</p>	<p>उत्तर-(c) व्याख्या- गोलमेज सम्मेलन ऐसा पहला सम्मेलन था, जिसमें ब्रिटिश शासकों ने भारतीयों को बराबरी का दर्जा दिया। पहला गोलमेज सम्मेलन नवम्बर, 1930 से जनवरी, 1931 तक दूसरा, सितम्बर-दिसम्बर, 1931 तक व तीसरा नवम्बर-दिसम्बर, 1932 में हुआ, तीनों सम्मेलन लन्दन में हुए। इनमें से मात्र दूसरे सम्मेलन में कांग्रेस ने प्रतिभाग किया। कांग्रेस की ओर से इस सम्मेलन</p>

	में भाग लेने वाले एकमात्र सदस्य महात्मा गाँधी थे।
<p>142. साँची स्तूप का निर्माण किसने करवाया था ?</p> <p>(a) चन्द्रगुप्त (b) गौतमबुद्ध (c) महावीर (d) अशोक</p>	<p>उत्तर- (d) व्याख्या- साँची स्तूप का निर्माण अशोक ने करवाया था। इसमें तीन स्तूप हैं, तीनों स्तूपों के लिए अलग-अलग प्रवेश द्वार हैं। इसमें सबसे महत्वपूर्ण माहिन स्तूप है। इसके दक्षिण द्वार पर एक वक्तव्य है, जिसके अनुसार यह प्रवेश द्वार राजा शातकर्णी ने धर्म के लिए दान दिया। इस पर बुद्ध के जीवन से सम्बन्धित प्रमुख घटनाएँ; जैसे- बुद्ध का जन्म, बोधसत्व की प्राप्ति, धर्मचक्र परिवर्तन एवं महापरिनिर्वाण का वर्णन है।</p>
<p>143. अजन्ता की गुफाएँ निम्नलिखित में से किससे सम्बन्धित हैं?</p> <p>(a) रामायण (b) महाभारत (c) जातक कथाएँ (d) पंचतन्त्र कहानियाँ</p>	<p>उत्तर-(c) · व्याख्या - अजन्ता की गुफाएँ जातक कथाओं से सम्बन्धित हैं। इन गुफाओं में बौद्ध धर्म से सम्बन्धित चित्रण एवं शिल्पकारी के नमूने मिले हैं।</p>

	ये गुफाएँ महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में स्थित हैं।
<p>144. कल्हण द्वारा रचित 'राजतरंगिणी' निम्नलिखित में से किससे सम्बन्धित है ?</p> <p>(a) चन्द्रगुप्त के शासन से</p> <p>(b) गीतों के संकलन से</p> <p>(c) कश्मीर के इतिहास से</p> <p>(d) कृष्णदेव राय के शासन से</p>	<p>उत्तर-(c) → व्याख्या - -बारहवीं शताब्दी में कल्हण ने कश्मीर का सुप्रसिद्ध इतिहास 'राजतरंगिणी' लिखा। यह एक श्रेष्ठ कृति मानी जाती है, क्योंकि इसमें ऐतिहासिक विश्लेषण की दृष्टि से असाधारण स्पष्टता एवं परिपक्वता दिखाई देती है। इसमें कश्मीर के शासकों एवं जमींदारों के मध्य संघर्ष का भी वर्णन किया गया है। कल्हण ने जयसिंह (1127-1159 ई) के काल में इसकी रचना की थी।</p>
<p>145. त्रिपिटक निम्नलिखित में से किससे सम्बन्धित हैं।</p> <p>(a) जैनियों से</p> <p>(c) सिखों से</p> <p>(b) बौद्धों से</p> <p>(d) हिन्दुओं से</p>	<p>उत्तर-(b) → व्याख्या - -त्रिपिटक बौद्धों से सम्बन्धित हैं। ये त्रिपिटक हैं- सुत्तपिटक - इसमें बौद्ध धर्म के सिद्धान्तों का उल्लेख है। विनयपिटक- इसमें बौद्ध संघ के नियमों की व्याख्या की गई है। अभिधम्मपिटक- इसमें बौद्ध दर्शन पर प्रकाश डाला गया है।</p>

<p>141. "स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है, मैं इसे पाकर रहूँगा।" किसने कहा?</p> <p>(a) एम के गाँधी (b) जवाहरलाल नेहरू (c) बालगंगाधर तिलक (d) भगत सिंह</p>	<p>उत्तर-(c) व्याख्या-उपरोक्त कथन बालगंगाधर तिलक का है। ये विपिन चन्द पाल व लाजपत राय के साथ उग्रवादी नेताओं में से एक थे।</p>
<p>146. निम्नलिखित में से किसने तीनों गोलमेज सम्मेलनों में भाग लिया था?</p> <p>(a) वल्लभ भाई पटेल (b) मदन मोहन मालवीय (c) बी आर अम्बेडकर (d) उपरोक्त में से कोई नहीं</p>	<p>उत्तर-(c) • व्याख्या - वर्ष 1930 से 1932 के मध्य होने वाले तीनों गोलमेज सम्मेलनों में भीमराव अम्बेडकर ने भाग लिया था। इन तीनों सम्मेलनों की तिथि थी प्रथम गोलमेज सम्मेलन - 12 नवम्बर, 1930 से 13 जनवरी, 1931 द्वितीय गोलमेज सम्मेलन-- 1-7 दिसम्बर, 1931 तृतीय गोलमेज सम्मेलन-17 नवम्बर, 1932 से 24 दिसम्बर, 1932 तीनों सम्मेलन लन्दन में आयोजित हुए थे।</p>

<p>147. निम्नलिखित में से किसने क्रान्तिकारियों के संगठन 'अभिनव भारत' को संगठित किया था?</p> <p>(a) जतीन्द्रनाथ मुखर्जी (b) मदनलाल धींगरा</p> <p>(c) विनायक दामोदर सावरकर (d) लाला हरदयाल</p>	<p>उत्तर-(c) व्याख्या- अभिनव भारत की स्थापना विनायक दामोदर सावरकर ने वर्ष 1904 में की थी, इसकी स्थापना नासिक में उन्होंने तब की थी, जब वे पुणे 'फर्ग्युसन कॉलेज' में विद्यार्थी थे। यह संगठन मेला संस्था के नाम से विकसित हुआ था।</p>
<p>148. अमीर खुसरो में से किसके शासनकाल से निम्नलिखित सम्बन्धित थे?</p> <p>(a) अलाउद्दीन खिलजी</p> <p>(b) मोहम्मद-बिन-तुगलक</p> <p>(d) फिरोज शाह</p> <p>(c) इब्राहिम</p>	<p>उत्तर- (a) व्याख्या - अमीर खुसरो अलाउद्दीन खिलजी के शासन काल से सम्बन्धित हैं। ये अलाउद्दीन खिलजी के दरबारी कवि थे। खुसरो के लेखन में भारत के प्रति प्रेम के अतिरिक्त यहाँ के लोगों, मौसम, परम्पराओं आदि की जानकारी मिलती है। इनकी प्रसिद्ध रचनाएँ- तुगलकनामा, किरान-उस-सादैन, खजाइन-उल-फुतुह आशिका आदि हैं।</p>
<p>149. मोहनजोदड़ो निम्नलिखित में से कहाँ पर स्थित है?</p> <p>(a) भारत के गुजरात राज्य में (b) भारत के पंजाब राज्य में</p> <p>(c) पाकिस्तान के सिन्ध प्रांत में (d) अफगानिस्तान में</p>	<p>उत्तर-(c) व्याख्या-मोहनजोदड़ो पाकिस्तान में सिन्ध प्रांत के लरकाना जिले में सिन्धु नदी के तट पर स्थित हड़प्पाकालीन स्थल है। मोहनजोदड़ो के</p>

	निवासियों ने नगरों तथा घरों के विन्यास के लिए ग्रिड पद्धति अपनाई थी।
<p>150. सिन्धु घाटी सभ्यता के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए</p> <p>1. उस काल में भारत में वस्त्र बनाने में कपास का प्रयोग होता था।</p> <p>2. यह सभ्यता मुख्यतः लौकिक सभ्यता थी तथा उसमें धार्मिक तत्त्व यद्यपि उपस्थित था, वर्चस्वशाली नहीं था। उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?</p> <p>(a) केवल 1</p> <p>(b) केवल 2</p> <p>(c) 1 और 2</p> <p>(d) न तो 1 और न ही 2</p>	<p>उत्तर- (a) व्याख्या-सिन्धु घाटी की सभ्यता जिसे हड़प्पा सभ्यता के नाम से भी जाना जाता है, का काल 2350 ई. पू. से 1750 ई.पू. माना जाता है। इस काल में वस्त्र निर्माण के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं। सर्वप्रथम कपास उत्पादन का श्रेय सिन्धु सभ्यता के लोगों को जाता है। मोहनजोदड़ो से सूती कपड़े की प्राप्ति हुई है तथा गीली मिट्टी पर कपड़े के निशान प्राप्त हुए</p>
<p>151. निम्नलिखित में से कौन प्रसिद्ध आई एन ए मुकदमे के वकील थे?</p> <p>(a) सुभाषचन्द्र बोस (b) सी राजगोपालाचारी</p> <p>(c) आसफ अली</p> <p>(d) भूलाभाई देसाई</p>	<p>उत्तर-(d) व्याख्या-आई एन एस मुकदमे की पैरवी के वकील तेज बहादुर सप्रू, जवाहरलाल नेहरू, भूलाभाई देसाई थे। आई एन ए का पूर्ण नाम इण्डियन नेशनल आर्मी अर्थात् आजाद हिन्द फौज है।</p>